>

Title: Need to ensure timely completion of Kalisindh Dam Project in Shajapur and Dewas districts of Madhya Pradesh.

श्री सज्जन वर्मा (देवास): सभापति जी, शून्य प्रहर में मुझे अपनी बात रखने का मौका आपने दिया। माननीय सभापति जी, मध्य प्रदेश के शाहजहानपुर और देवास जिले में बहने वाली काली-सिंध नदी, नर्मदा नदी जो मध्य प्रदेश की जीवन-रेखा है, उसके बाद यदि कोई महत्वपूर्ण नदी है तो काली-सिंध नदी है। इस नदी पर बांध बनाने के लिए वर्षों से कागजी कार्रवाई चलती रही है। बड़ी मुश्किल से इस योजना की डिटेल रिपोर्ट बनाई गयी। उसके बाद सेंट्रल वाटर कमीशन के द्वारा उसका क्लीयरेंस दिया गया, लेकिन बार-बार राज्य सरकार बॉल केन्द्र के पाले में डालती रही, केन्द्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार के पाले में डालती रही, जिससे योजना मूर्त रूप आज तक नहीं ले पाई है।

माननीय सभापति जी, इस काली-सिंध बांध परियोजना से हजारों एकड़ में सिंचाई होनी है और हजारों कृषक परिवारों की समृद्धि का कारण यह बांध बनने वाला है। अभी हमारे साथी बोल रहे थे कि मध्य प्रदेश सरकार किसानों की हितेषी सरकार है। लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने अभी तक कोई योजना नहीं बनाई है। हमारी ज्योति जी बोल रही थीं कि किसानों के लिए छोटे डैम बनाये जाने चाहिए। अपनी ,सरकार से भी यह अनुरोध करें क्योंकि मध्य प्रदेश सरकार योजनाएं रोक लेती है और केन्द्र सरकार तक ठीक ढंग से इनकी लिखा-पढ़ी नहीं होती है।

मेरा अनुरोध केन्द्र की सरकार से है कि वह चाहे प्रदेश सरकार का कर्मचारी-अधिकारी हो या केन्द्र सरकार के कर्मचारी-अधिकारी हो, उन्हें जब तक आप दंडित करने का भय नहीं दिखाएंगे, ये योजनाएं सालों-साल फुटबॉल की तरह इधर से उधर राज्यों और केन्द्र के पाले में रहेंगी। मेरा अनुरोध है कि काली-सिंध परियोजना को निर्माण की ओर ले जाया जाए। धन्यवाद।